an>

Title: Regarding identifying folk artists, poets and artists by the government and help them.

श्री तामृध्वज साहू (दुर्ग) : महोदया, आपने मुझे बोलने का मौका दिया, इसके लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

मेरा शून्य काल का विषय 'लोक कलाकारों को पेंशन व अन्य सुविधा' है। विश्व के नक्शे पर किसी देश की पहचान उस देश की संस्कृति के कारण होती है। भारतवÂ◌ाऱ् की संस्कृति आपसी समरसता-भाईचारा और सम्मान की रही है। इस कार्य को जन-जन तक पहुँचाने का काम कवि, लेखक, लोक-कलाकार व साहित्यकार प्रारम्भ से करते आ रहे हैं। परन्तु केन्द्र व राज्य की सरकार इनकी ओर ध्यान नहीं देते। वे इन्हें सिर्फ प्रशस्ति-पत्र व पुरस्कार तक सीमित कर देते हैं।

आज छत्तीसगढ़ प्रदेश के आम लोक-कलाकार, कवि व लेखकों की माली हालत दयनीय है। कई पदमश्री, पदम विभूÂषण प्राप्त लोक-कलाकार भूखे मर रहे हैं। इलाज के लिए इनके पास पैसे नहीं हैं। राज्य शासन व केन्द्र शासन के पास ऐसे लोगों की सूची भी नहीं है। समाचार-पत्र में जब यह समाचार छपता है कि किसी पदमश्री, पदम विभूÂषण आदि सम्मान प्राप्त व्यक्ति के पास इलाज के लिए पैसे नहीं हैं तो देश का इससे बड़ा अपमान नहीं हो सकता।

अतः मैं सरकार से माँग करता हूँ कि केन्द्र सरकार, राज्य सरकारों के माध्यम से तत्काल निश्चित समय सीमा में सभी प्रकार के लोक-कलाकारों, लेखकों व कवियों को चिन्हाँकित कर इनकी सूची बनाए तथा पात्र व्यक्तियों के लिए भोजन, निवास व इलाज की व्यवस्था करें साथ ही साथ इनके लिए पेंशन की व्यवस्था करने की भी कार्रवाई करें। धन्यवाद।

माननीय अध्यक्ष : कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल को श्री ताम्रध्वज साहू जी द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।